卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 207 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦8 मई 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

बहन की हत्या के बाद भाई ने फांसी लगाकर दी जान

सिंह कालोनी में सनसनीखेज वारदात, चार दिन पहले लिया था किराये पर कमरा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। शहर के सिंह कालोनी में भाई ने अपनी सगी बहन की गला दबाकर हत्या करने के बाद खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की

सूचना मिलते ही पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हत्या व आत्महत्या के कारणों की तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार चदुआ बरेली निवासी 23 वर्षीय सुनील कुमार ने चार दिन पहले अपनी बहन 19 वर्षीय करिश्मा के साथ सिंह कॉलोनी गली नंबर दस स्थित अमोलक के मकान में किराए पर कमरा लिया था। बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह सुनील का बहनोई रवि कुमार कमरे पर आया और काफी देर तक आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। तो उसने दरवाजे के नीचे झांककर देखा। जहां सुनील का शव लटका हुआ था और करिश्मा का शव जमीन पर पड़ा हुआ था। जिसे देखकर रवि के हाथ पांव फूल गए और वह तुरंत आदर्श कॉलोनी चौकी पहुंचा और घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सीओ सदर निहारिका तोमर, कोतवाल धीरेंद्र कुमार और चौकी प्रभारी विजय कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। जहां पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो वहां सुनील का शव फंदे से लटका था जबकि करिश्मा का शव नीचे जमीन पर पड़ा था। घटना स्थल का मंजर देखकर प्रथम दृष्टया (शेष पृष्ठ सात पर)

खुदाई के दौरान जमीन में मिला प्राचीन शिवलिंग

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। जागेश्वर धाम में बुधवार सुबह खुदाई के दौरान एक प्राचीन शिवलिंग मिलने से लोग अचंभित हो गए। कुछ ही देर में खबर पूरे इलाके में फैल गयी, जिसके बाद शिव लिंग के दर्शन के लिए लोगों का जमावड़ा लग गया। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ समय से जागेश्वर धाम में मास्टर प्लान के तहत लाइटिंग के लिए केबल बिछाने का काम चल रहा है। इसके लिए कार्यदायी संस्था पूरे मंदिर समूह में खुदाई कर रही है। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह खुदाई के दौरान श्रमिकों को केदारनाथ व जागेश्वर मंदिर के ठीक पीछे जमीन के नीचे एक प्राचीन शिवलिंग मिला। कुछ ही देर में इसकी जानकारी पूरे इलाके में फैल गई। जिसके बाद लोग इस शिवलिंग के दर्शन के लिए मंदिर में जुटने लगे। बताया जा रहा है कि जमीन से करीब एक फिट नीचे वास्तविक स्थिति में शिवलिंग मिला है। शिवलिंग मिलने के बाद कार्यदायी संस्था ने उस स्थान पर खोदाई का कार्य रोक दिया। मौके पर पहुंचे लोगों ने विधिवत शिवलिंग की पूजा अर्चना शुरू कर दी है।

भोजन माता ने गटका जहर,मौत

सितारगंज (उद संवाददाता)।भोजन माता ने अज्ञात कारणों के चलते जहर गटक लिया। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। ग्राम वीरेंद्र नगर निवासी 32 भारतीय संगीता पत्नी मनोज कुमार गांव के ही प्राइमरी स्कूल में भोजन बनाती थी। स्कूल से छुट्टी होने के बाद दोपहर को संगीता उल्टियां करने लगी। परिजन संगीता को अस्पताल ले गए। जहां उपचार के दौरान संगीता ने दम तोड़ दिया। संगीता का पति राइस मिल में मजदूरी करता है। संगीता का मायका लखीमपुर खीरी का है। उप निरीक्षक सोनिका जोशी ने संगीता के मायके वालों को मामले की सूचना कर दी है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।

केदारनाथ यात्रा में हुड़दंग मचाने वालों पर होगी कार्यवाही : विशाखा

यात्रा पड़ावों पर तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए पुलिस सहायता केन्द्र तैयार

रूद्रप्रयाग। पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग डॉ0 विशाखा अशोक भदाणे ने मंगलवार को प्रेस वार्ता के दौरान जनपदीय मीडिया बन्धुओं से मुखातिब होते हुए रुद्रप्रयाग पुलिस की तैयारियों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि जनपद पुलिस इस वर्ष की श्री केदारनाथ धाम यात्रा को सुरक्षित, सकुशल व सुगम तरीके से संचालन कराने हेतु प्रतिबद्ध है। इस हेतु जनपद के सभी पड़ावों (पैदल पड़ावों सहित) व केदारनाथ धाम में पुलिस बल की तैनाती के आदेश जारी कर दिये गये हैं। यात्रा में नियुक्त होने वाले पुलिस बल की ब्रीफिंग कर कर उनके ड्यूटी स्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। इससे पूर्व पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल परिक्षेत्र, उत्तराखण्ड करन सिंह नगन्याल ने पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग डॉ0 विशाखा अशोक भदाणे द्वारा सोमवार को रुद्रप्रयाग, तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि, कुण्ड, गुप्तकाशी, फाटा, सोनप्रयाग होते हुए गौरीकुण्ड तक की यात्रा व्यवस्थाओं

एवं पुलिस व्यवस्थाओं का निरीक्षण व जायजा लेकर सम्बन्धित थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने जनपद के यातायात प्लान की जानकारी देते हुए बताया कि श्री केदारनाथ यात्रा अवधि में यातायात के सफल संचालन हेतु पुलिस उपाध ीक्षक रुद्रप्रयाग को यातायात व्यवस्था का

नोडल अधिकारी बनाया गया है। यात्रा का पहला चरण जनपद की यातायात व्यवस्था से प्रारम्भ होता है। केदारनाथ के लिए जाते समय कुण्ड से लेकर गुप्तकाशी फाटा से सोनप्रयाग का रूट रहेगा। केदारनाथ से वापस आने पर गुप्तकाशी से कालीमठ तिराह, चुन्नी बैंड होते हुए कुण्ड से अगस्त्यमुनि के लिए रवाना किया जायेगा। सभी ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि इन संकरे पैचों पर अनावश्यक रूप से जाम की समस्याओं से निजात पाया जा सके और वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न न हो। यातायात की ड्यूटियां सुबह से ही आरम्भ हो जाती हैं, जब हमें अलर्ट मिल जायेगा कि वहां पर भीड़ ज्यादा हो गयी है, तो उसको गुप्तकाशी, फाटा, ब्यूंगगाड़, तिलवाड़ा, काकड़ागाड़ में कुछ देर रोककर भेजेंगे, ताकि सोनप्रयाग तथा गौरीकुण्ड पर किसी भी तरह का प्रेशर न हो। इसके लिए 24 घण्टे पुलिस कन्ट्रोल रूम सक्रिय रहेगा, कितने वाहन जनपद में प्रवेश कर रहें हैं, कितने बाहर जा रहें हैं, इसका डाटा रखा जायेगा। जानकारी देते हुए बताया कि इस बार की केदारनाथ यात्रा के लिए पुलिस उपाधीक्षक गुप्तकाशी को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गयी है। जनपद क्षेत्र में किसी भी यात्री को कोई समस्या आती है, कोई भी यात्री अपने परिजनों से बिछड़ता है उनकी सहायता के लिए पुलिस कन्ट्रोल रूम 24 घण्टे सक्रिय रहेगा। किसी भी आपात स्थिति में 112 पर कॉल की जा सकती है। तीर्थयात्रियों की पुलिस सहायता के लिए पुलिस सहायता केन्द्र बनाए गये हैं, जो तीर्थयात्रियों को आवश्यक जानकारी प्रदान करेंगे तथा किसी को किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसके निराकरण सम्बन्धी जानकारी भी प्रदान करेंगे। गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी बाहरी प्रदेश से जो यात्री आते हैं, उनके लिए दिशा-निर्देश उनके स्थानीय भाषा में दिए जाने का प्रयास किया गया है।श्री केदारनाथ धाम की मर्यादा व पवित्रता बनायी रखी जानी नितान्त आवश्यक है। अगर जिस किसी के द्वारा वहां पर अशोभनीय कृत्य, गलत रील्स इत्यादि या धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास किया जाता है, तो उसके लिए ऑपरेशन मर्यादा के तहत सम्बन्धित पर विधिक कार्यवाही की जायेगी, इसके लिए समस्त पुलिस बल को ब्रीफिंग में बताया गया है। नशे का सेवन करने वालों, हुक्का या किसी भी प्रकार का नशा कर हुड़दंग मचाने वालों पर भी ऑपरेशन मर्यादा के तहत कार्यवाही की जायेगी। सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की भ्रामक सूचना फैलाने तथा गलत सूचना फैलाने वाले व्यक्तियों पर सोशल मीडिया मॉनिटिरिंग सैल के माध्यम से निगरानी रखी जायेगी। श्रद्धालुओं के साथ गलत आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

कल केदारनाथ धाम पहुंचेगी बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली

रूद्रप्रयाग। अपने धाम जाने के लिए बाबा केदार की चल उत्सव विग्रह डोली प्रस्थान कर चुकी है। सोमवार को चल उत्सव विग्रह डोली ने ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से प्रस्थान किया। जिसके बाद डोली ने रात्रि विश्राम विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में किया। आज बाबा केदार की डोली रात्रि प्रवास के लिए फाटा पहुंचेगी। आज फाटा पहुंचेगी चल उत्सव विग्रह डोली बाबा केदार की डोली आज रात्रि प्रवास के लिए दूसरे पड़ाव फाटा पहुंचेगी। मंगलवार सुबह ही चल उत्सव विग्रह डोली विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी से दूसरे पड़ाव के लिए रवाना हुई। इस दौरान बाबा केदार का आशीर्वाद लेने के लिए आस्था का सैलाब उमड़ा। पूरा क्षेत्र बाबा केदार के जयकारों से गूंज उठा।बता दें कि सोमवार सुबह भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली सेना की बैंड धुनों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ ऊखीमठ से अपने धाम के लिए रवाना हुई। इसके बाद सोमवार रात को चल उत्सव विग्रह डोली ने विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में रात्रि विश्राम किया। आठ मई बुधवार को पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली गौरीकुंड स्थित गौरा माई मंदिर पहुंचेगी। यहां रात्रि विश्राम के बाद नौ मई को केदारनाथ धाम के लिए उत्सव डोली रवाना होगी। नौ मई को उत्सव डोली केदारनाथ पहुंचेगी जिसके अगले दिन यानी 10 मई को धाम के कपाट विधि-विधान पूर्वक शुभ मुहुर्त में खोल दिए जाएंगे।

ऑफलाईन पंजीकरण कराने के लिए उमड़े लोग

हरिद्वार (उद संवाददाता)।चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण के बाद अब ऑफलाइन पंजीकरण के लिए भी मारामारी शुरू हो गई है। बुधवार से ऑफलाइन पंजीकरण शुरू होते ही हरिद्वार में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान हंगामा भी हुआ। भीड़ को देखते हुए पुलिस बल तैनात करना पड़ा। यात्री आध ी रात के बाद ही पंजीकरण कराने के लिए जिला पर्यटन विकास केंद्र पर पहुंचने लगे, लेकिन 8 बजे तक भी पंजीकरण कार्य शुरू नहीं हो पाया। जिससे यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। पर्यटन विभाग की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने व्यवस्था बनानी शुरू की, लेकिन यात्रियों ने पुलिस पर ही मारपीट का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। बड़ी मुश्किल से पुलिस ने यात्रियों की लाइन लगाकर पंजीकरण कार्य शुरू कराया। व्यवस्था बनाने के लिए एसडीएम अजययवीर सिंह भी मौके पर पहुंचे। जिन्होंने जिला पर्यटन विकास अधिकारी से यात्रियों की पंजीकरण की व्यवस्था की जानकारी ली। जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश कुमार सिंह यादव का कहना है कि चारों

धामों बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री व गंगोत्री के लिए 500-500 के स्लॉट ऑफलाइन पंजीकरण के लिए दिए गए हैं। कहना है कि उम्मीद है कि इतने स्लॉट में सभी यात्रियों के पंजीकरण हो जाएंगे। हरिद्वार के साथ ही ऋषिकेश में भी ऑफलाइन पंजीकरण शुरू हो गए हैं। धर्मनगरी में भी ऑफलाइन पंजीकरण के लिए छह काउंटर बनाए गए हैं। इन पर हर धाम के लिए पांच-पांच सौ यात्रियों के पंजीकरण किए जाएंगे। उत्तराखंड में 10 मई से चारधाम यात्रा गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खुलने के साथ ही शुरू हो जाएगी। वैसे तो उत्तराखंड सरकार की ओर से चारधाम यात्रियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा दी गई है। इससे उत्तराखंड में यात्रा करने वाले श्रद्धालु घर बैठे पंजीकरण करा रहे हैं, लेकिन प्रदेश में प्रवेश करने वाले यात्रियों को भी जगह-जगह ऑफलाइन पंजीकरण की सुविधा दी जाती है। विभाग की ओर से पंजीकरण काउंटर खोले जाते हैं। इसमें धर्मनगरी में भी पर्यटन विभाग के कार्यालय परिसर में छह काउंटर खोल दिए गए हैं। काउंटरों पर बदरीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के लिए पांच-पांच सौ स्लॉट यात्रियों की बुकिंग के लिए पंजीकरण किए जाएंगे। केंद्रों पर पंजीकरण के लिए इंटरनेट सुविधा, लाइट, बिजली के साथ ही यात्रियों के बैठने के लिए कुर्सियां, हवा और ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है।

श्रद्धालुओं को गुप्तकाशी से जौलीग्रांट पहुंचाएगा एमआई-17 हेलीकॉप्टर

ऋषिकेश। बदरीनाथ और केदारनाथ की हेलिकॉप्टर सेवा शुरू करने के लिए रुद्राक्ष एविएशन का एमआई-17 ट्विन इंजन हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट पहुंच चुका है। यह दोनों धामों की यात्रा कराएगा। फिलहाल, जौलीग्रांट से बदरी-केदार की हेलिकॉप्टर सेवा 15 जून तक फुल हो गई है।आगामी 10 मई से यह 18 सीटर हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर पहले केदारनाथ के लिए उड़ान भरेगा। उसके बाद 12 मई को

बदरीनाथ के कपाट खुलने पर यह दोनों धामों बदरीनाथ और केदारनाथ के लिए उड़ान भरेगा। मौसम ठीक रहने पर जौलीग्रांट से एक तरफ की उड़ान में करीब दो घंटे का समय लगेगा। एक ही दिन में पांच से छह घंटे में दोनों धामों की यात्रा पूरी की जा सकेगी। 12 मई को यह हेलिकॉप्टर पहले बदरीनाथ जाएगा। फिर वापस गुप्तकाशी में लैंड होगा। गुप्तकाशी से छोटे हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं को केदारनाथ ले जाया जाएगा। केदारनाथ से वापस गुप्तकाशी पहुंचने पर श्रद्धालुओं को एमआई-17 से जौलीग्रांट लाया जाएगा।

जंगलों की आग को राजकीय आपदा घोषित करें सरकार: हरदा

पूर्व सीएम हरीश रावत ने लोगों से की बिजली और पानी बचाने की अपील

देहरादून(उद ब्यूरो)। उत्तराखंड के जंगलों में वनाग्नि से दिन रात धधक रहे जंगलों को बचाने के लिए अब सबू के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी उतर आये हैं। फायर

सीजन में लंबे इंतजार के बाद भी इस वर्ष बारिश और बर्फबारी नहीं होने से जहां भीषण गर्मी का प्रकोप और ग्लोबल वार्मिग का खतरा बढ़ गया है वहीं प्रदेश का ईको सिस्टम पर भी प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए पूर्व सीएम हरीश रावत ने विभिन्न वर्गों के लोगों से जंगलों को बचाने और आग से जंगलों के पेड़ पौध ों जड़ी बूटियों एवं वनस्पतियां को हुए नुकसान को रोकने के लिए वनाग्नि को राजकीय आपदा घोषित करने के साथ ही एक रोकथाम के लिए व्यापक नीति बनाने की भी अपेक्षा की है। पूर्व सीएम हरीश रावत के अनुसार जंगल की आग को राजकीय आपदा सरकार घोषित करें या ना करें आप और हम सबको इसको राज्यव्यापी आपदा मानकर जंगल में आग बुझाने के हर संभव प्रयास को आगे बढ़ाना चाहिए, मैं कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के समर्थकों, राज्य के प्रबुद्ध लोगों जनसेवकों सबसे आग्रह करना चाहता हूं की जंगल में आग बुझाने के सरकारी प्रयासों में सहयोग दें और साथ ही भगवान बद्रीश और केदार से प्रार्थना करें कि आसमान बरसे ताकि आग कि इस भयंकर आपदा से राज्य को मुक्ति मिल सके। एक अन्य पोस्ट में पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा है कि राज्य आसन विद्युत संकट में है, अघोषित कटौतियां होने लगी है बिजली के रेट दर रेट बढ़ाने के बावजूद भी उपलब्धता की स्तिथि सुध र नहीं रही है, विद्युत वितरण यूटिलिटी अपनी असमर्थता जिसको वो लाइन लॉस कहते है, चोरी रोकने में विफलता, मिसमेनेजमेंट का भार सामान्य उपभोक्ता पर डाल देते है, मेरा एक आग्रह है की यदि हम 400 यूनिट बिजली खर्च करते है तो हम प्रण करे की हम प्रतिदिन इस में से 50 यूनिट बिजली बचाएंगे जो सामान्य कदम उठाकर बचाए जा सकते है जैंसे एसी को कुछ ही समय के लिए चलाना, बहार निकलने पर पंखे, लाइट को बंद कर देना, सामान्य से कदम है। इसी तरीके से आसन जल संकट से भी बचने के लिए हमको अभी से कैंसे पानी कम खर्च करे इसके लिए कदम उठाने पड़ेंगे हम अपने मेहमान को ग्लास भर कर के पानी देते है हम यदि जाड़ों में आधा ग्लास और गर्मियों में पोन ग्लास पानी दे तो बहुत जो पानी ग्लास में छूट जाता है उसको बचाया जा सकता है उसी प्रकार से हर पानी के उपयोग की हमको कुछ न कुछ ऐंसी विधि निकालनी पड़ेगी ताकि कम से कम पानी इस्तेमाल हो, जैंसे वाशिंग मशीन को बार बार चलाने के बजाए हम उसका उपयोग सीमित करे बड़ा परिवार भी है तो सीमित उपयोग करे वही कपड़े धोए जो वास्तविक अर्थों में दूसरी बार उपयोग के लायक नही रह गए है। तो बिजली और पानी बचाना हमको अपना राजकीय दायित्व मानकर निष्ठा से पूरा करना चाहिए और उसके लिए अपनी आदतों में थोड़ा थोड़ा परिवर्तन लाना पड़ेगा, मैंने अपनी आदतों में परिवर्तन लाना प्रारंभ कर दिया है और अपने घर में भी इन सुधारों को मैं अमल में ला रहा हूं।

जंगलों में आग धधकने का सिलसिला जारी

देहरादून। उत्तराखंड में जंगलों के धधकने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। एक दिन में वनाग्नि की 68 नई घटनाएं सामने आईं। अब तक आग 1316 हेक्टेयर जंगल को अपनी चपेट में ले चुकी है। उधर, मंगलवार को वन मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी जंगलों को बचाने के लिए मैदान में उतर गए। वहीं, पौड़ी-श्रीनगर हाईवे पर गडुवागाड के समीप, अदवानी व डोभ श्रीकोट के आरक्षित व सिविल क्षेत्रों में जंगल बीते सोमवार देर शाम से धधक रहे हैं। मंगलवार को यहां दिनभर जंगल जलते रहे। अदवानी के आरक्षित वनों की आग विकराल हुई तो आग बुझाने के लिए देहरादून से वायुसेना का हेलीकॉप्टर पहुंचा। हेलीकॉप्टर ने श्रीनगर डैम से पानी भरा और 5 से 6 चक्कर लगाकर अदवानी के जंगलों में लगी आग को बुझाया गया। वन विभाग के मुताबिक, मंगलवार को गढ़वाल में पांच, कुमाऊं में 55 और वन्य जीव क्षेत्रों में आठ जगह जंगलों में आग लगी। इस दौरान 119.7 हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आया है। अब तक आग की कुल 998 घटनाओं में 1316.12 हेक्टेयर जंगल प्रभावित हुआ है। वन अपराधों में अब तक 389 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 329 अज्ञात व 60 नामजद मामले हैं। नोडल अफसर बनाए गए वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचने लगे हैं। वहीं, वन मंत्री सुबोध उनियाल ने प्रमुख वन संरक्षक को वनाग्नि निपटने के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दोहराए। मुख्य वन संरक्षक (गढ़वाल एवं कुमाऊं) को वनाग्नि की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के मकसद से अन्य अधीनस्थ विभागीय अधि कारियों के सक्रिय सहयोग से सभी संभव एवं कारगर उपाय सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ने यह भी दोहराया कि स्थानीय स्तर पर शरारती तत्वों के वनाग्नि घटनाओं में संलिप्त पाए जाने पर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए।

अखण्ड महानाम संकीर्तन से पूर्व निकली भव्य कलश यात्रा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। राधा कृष्ण महानाम संकीर्तन सभा की ओर से रविन्द्र नगर में आयोजित किये जा रहे श्री श्री अखण्ड महानाम संकीर्तन से पूर्व बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा रविन्द्र नगर से शुरू होकर लैकपैराडाइज झील पहुंची इसके बाद विभिन्न मार्गों से होते हुए रविन्द्र पहुंचकर सम्पन्न हुई। कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। भजन कीर्तन के साथ निकली भव्य कलश यात्रा से माहौल भक्तिमय हो गया। इस आयोजकों ने बताया कि बृहस्पतिवार प्रात: छह बजे अखण्ड महानाम संकीर्तन का शुभारम्भ होगा। 12 मई शाम छह बजे समापन किया जायेगा। संकीर्तन के दौरान तीनों दिन भंडारा भी आयोजित होगा। कलश यात्रा में अध्यक्ष हीरा मण्डल, उपसचिव अंकित मल्लिक, उपाध्यक्ष चंदन देवनाथ, सचिव विवेक हालदार, कोषाध्यक्ष कार्तिक मण्डल, संजय ठुकराल, सुकुमार वैद्य, बबलू सागर, मधु मंगल, नारायण डे, राजेश मण्डल, रवि, प्रकाश अधिकारी, पूरन पाण्डे, अमित वैद्य, शिवपद सरकार, बृजेन मण्डल, बंटी, देव, अजीत सरस्वती, सौराभी, शिखा, वितिका, अपर्णा, बसंती, तापसी, सुजाता, रीता, रिया सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल थे।

दो माह तक चलाया जायेगा ऑपरेशन स्माईल अभियान

देहरादून(उद संवाददाता)। अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड श्री ए.पी. अंशुमान द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समस्त वरिष्ठ/पुलिस अधीक्षक के साथ ऑपरेशन स्माइल की समीक्षा कर अभियान को सफल बनाये जाने हेतु दिशा-निर्देश निर्गत किए गए। उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा प्रदेश में दिनांक 01.05.2024 से 02 माह का ऑपरेशन स्माइल चलाया जा रहा है। इस अभियान में गुमशुदा बच्चों के साथ-साथ गुमशुदा पुरूषों व महिलाओं को भी तलाश किया जाएगा। मुख्यालय स्तर पर अभियान की नोडल अधिकारी पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमलेश उपाध्याय को बनाया गया है। उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा प्रत्येक जनपदों में पुलिस उपाधीक्षक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जनपद देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल व ऊधमसिंहनगर में 05-05 तलाशी टीम व शेष जनपदों में 01-01 तलाशी टीम (प्रत्येक टीम में उपनिरीक्षक 1, आरक्षी-4) का गठन किया गया है। इस अभियान हेतु अन्य सम्बन्धित विभागों संस्थाओं यथा सी.डब्लू.सी., समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, अभियोजन, श्रम विभाग, आश्रय गृह, एन.जी.ओ. एवं चाइल्ड हेल्पलाइन का सहयोग भी लिया जा रहा है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर राज्यपाल ने दी बधाई

देहरादून (उद संवाददाता)।राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस से जुड़े सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। राज्यपाल ने कहा कि "मानव सेवा परमो धर्म:" के मंत्र को आत्मसात कर रेडक्रॉस, नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा का निर्वहन कर रहे है। रेडक्रॉस स्वयंसेवकों द्वारा सेवा, समर्पण और परोपकार की भावना से जो कार्य किया जाता है, वह अत्यंत सराहनीय है। राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष विश्व रेडक्रॉस दिवस की थीम मानवता को जीवित रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड भूकम्प एवं प्राकृतिक आपदाओं के लिये संवेदनशील है तथा इसकी विषम भौगोलिक परिस्थितियां है। आपदाओं एवं विभिन्न घटनाओं में पीड़ित एवं जरूरतमंद लोगों के लिये रेडक्रॉस आशा, करुणा और दया भावना रखने वाली संस्था का प्रतीक है, जो लोगों की पीड़ा को कम करने और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिये हमेशा प्रयासरत रहा है।

दिनदहाड़े वन चौकी में घुसा चोर दबोचा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बागवाला स्थित वन चौकी में दिनदहाड़े एक चोर घुस गया। चौकी से सामान चुराकर भाग रहे चोर को आस पास के लोगों ने रंगे हाथ दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार बागवाला स्थित वन चौकी का स्टाफ सुबह किसी काम से रेंज ऑफिस रूद्रपुर आया था, इसी बीच एक चोर दीवार फांदकर चौकी में घुस गया। आस पास के दुकानदारों ने घेराबंदी करके चोर को दबोच लिया। उसके पास से बोरे में बर्तन व अन्य सामान मिला। इसकी सूचना दुकानदारों से वन रक्षक भूपेन्द्र चन्द्र को दी, जिस पर वन आरक्षी भूपेन्द्र चन्द्र तुरंत मौके पर पहुंचे उन्होंने मामले की सूचना पुलिस दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम के हवाले कर दिया गया। पुलिस पकड़े गये चोर से पूछताछ कर रही है।

पशुप्रेमियों ने सांड को दिलाई राहत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सिडकुल क्षेत्र में एक आवारा सांड को गले में टाईट रस्सी से निजात दिलाने में आखिरकार पशुप्रेमियों को कड़ी मशक्कत के बाद सफलता मिल गयी। वन विभाग और पशु चिकित्सा विभाग की टीम के सहयोग से सांड को बेहोश करने के बाद गले की रस्सी काटी गयी। दरअसल पशु प्रेमियों को बीते दिनों सूचना मिली थी कि सिडकुल क्षेत्र में एक सांड के

गले में बहुत टाईट रस्सी बंधी हुयी है, टाईट रस्सी की वजह से घाव हो चुका था। सांड के गले की रस्सी को काटने के लिए पशु प्रेमियों ने दो बार प्रयास किये लेकिन असफल रहे। बुधवार सुबह वन विभाग, पशु चिकित्सा विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया गया और सांड को शॉटगन से बेहोश करने के बाद गले की रस्सी काट दी गयी। इसके बाद सांड को बेहतर ट्रीटमेंट दिया गया। इस दौरान जिला गौर रक्षा प्रमुख रमेश पाल,लखन पंडित,धर्मेंद्र अवस्थी, नन्हे चौहान राधे चौहान, गौरव मिश्रा ,प्रथम बिष्ट ,डॉ रजनीश आदि मौजूद रहे।

पैन कार्ड का गलत उपयोग करने का आरोप

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। एक व्यक्ति ने पैन कार्ड और आधार कार्ड का गलत उपयोग कर उसके नाम से लोन लेने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जैन आयरन स्टोर के स्वामी आयुष जैन ने पुलिस में शिकायत की है कि उसे 14 अगस्त 2023 को जानकारी हुइ। कि उसके नाम से एल एंड टी कंपनी से 6 लाख 59 हजार रूपए का लोन लिया गया है। जबकि उसन इस तरह का कोई लोन लिया ही नहीं था। इसके बाद उसने कंपनी से डिटेल आदि मांगी तो उसमें कैलाश कालोनी ग्रेट कैलाया का पता डाला गया था। पते पर मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी भी उसकी ही डाली गई थी। इतना ही नहीं जब उसने इनकम टैक्स कार्यालय जाकर जब अपना एनुवल इफार्मेशन स्टेटमेंट निकाला तो उसी के नाम से तीन-तीन बैंकों में खाते खोले गए हैं।

आवश्यकता है
सिडकुल स्थित फैक्ट्री के लिए 8वीं/10वीं पास युवकों की। वेतन योग्यतानुसार
-सम्पर्क करें-
परफैक्ट सेल्स कार्पोरेशन प्लाट नं. 12, सेक्टर IIDC सिडकुल, रूद्रपुर, मो. 9654467133

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभव:-
पार्किसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, नि:सन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA M.D. (Ayurveda) Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA M.D. (Ayurveda) स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

10 मई को धूमधाम से मनाया जाएगा परशुराम जन्मोत्सव

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ब्राम्हण महासभा उत्तराखण्ड द्वारा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। 10 मई को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के लिए पिछले कई दिनों से जोर शोर से तैयारियां की जा रही है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने एक बैठक कर अंतिम रूप दिया। ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने बताया कि भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 10 मई को प्रात: 10 बजे नैनीताल रोड़ विशाल मेगामार्ट के सामने भगवान परशुराम चौक पर दीप प्रज्वलन एवं भगवान परशुराम जी की संगीतमय स्तुति की जायेगी।

उसके पश्चात 11 बजे विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ब्राह्मण महासभा की टीम जोर शोर से जुटी है। बैठक में ब्राह्मण महासभा के संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष मुकेश वशिष्ठ,प्रदेश महामंत्री पंडित संजीव शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री पद्म शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष गजानंद शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इन्द्रेश मिश्रा, उपाध्यक्ष संदीप मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष नवीन नैनवाल, नगर अध्यक्ष नितिन कौशिक, नगर महामंत्री देवेन्द्र कौशिक, नगर संगठन मंत्री आशुतोष शर्मा, मीडिया प्रभारी घीरू त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सिडकुल फेस टू में नई फैक्ट्रियों के निवेश से खुले रोजगार के द्वार

11 फैक्ट्रियों ने करीब 800 करोड़ का फेस टू में किया निवेश,पूर्व सीएम बहुगुणा ने फेस टू का किया था निर्माण

सितारगंज(उद संवाददाता)। सिडकुल फेज टू में 11 फैक्ट्रियों ने प्लाट

खरीदकर करीब 800 करोड़ के निवेश की नींव डाली है। इसी वर्ष समस्त फैक्ट्रियों में उत्पादन शुरु करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके होते ही क्षेत्र के करीब 2 हजार युवाओं को सीधे रोजगार मिलेगा। एल्डिको में वर्ष 2006 से अब तक करीब 130 फैक्ट्रियों में उत्पादन का कार्य चल रहा है। एल्डिको के बगल में सिडकुल फेज टू के लिए पूर्व में भूमि हस्तातंरित की गई थी। फेज टू में सर्वप्रथम इंडियन आयल प्राइवेट लिमिटेड का निर्माण हुआ था। कोरोना काल के समय में फेज टू में निवेश शुन्य पहुंच गया था। लेकिन अथक प्रयासों से मात्र दो वर्ष में फेज टू में आटो मोबाइल, फार्मसी, टीसू पेपर, इलेक्ट्रीकल आदि जैसी 11 कंपानियों ने कुल करीब पौने आठ सौ करोड़ का निवेश किया है। इन तमाम कंपानियों के निवेशकों ने 77.83 एकड़ प्लाट खरीदे है। फैक्ट्रियों के संचालन से करीब 1882 लोगों के हाथों को रोजगार प्राप्त होगा। जिसमें सबसे अधिक रोजगार बालाजी एक्शन विल्डबेल प्राइवेट लिमिटेड में 750 श्रमिकों के हिस्से में रहेगा।गौरतलब है कि क्षेत्र के युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने सिडकुल फेस टू का निर्माण किया था। उनके सीएम की कुर्सी से हटते ही फेस टू में निवेश को गति धीमी हो गई थी। पूर्व सीएम विजय बहुगुणा के पुत्र वर्तमान कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने फेस टू में फैक्ट्रियों के निवेश के लिए अथक प्रयास किए। कैबिनेट मंत्री ने स्थानीय रोजगार और क्षेत्र के विकास को देखते हुए फेस टू में निवेश को ड्रीम प्रोजेक्ट की भांति समझकर काम किया। उन्हीं के प्रयासों से इंडियन ऑयल प्राइवेट लिमिटेड कपनीं ने सर्वप्रथम फेस टू में निर्माण कर निवेश की नींव डाली। कोरोना काल के बाद से फेस टू में तमाम कपनियों ने प्लाट खरीदकर क्षेत्र के विकास में अहम योगदान दिया।

" फेस टू में करीब आठ सौ करोड़ का निवेश कर कुल 11 कंपनियों को धरातल पर उतारा गया हैं। इन समस्त कंपनियों में साल के अंत तक उत्पादन कार्य शुरू कर दिए जाने का लक्ष्य तय किया हैं। इससे रोजगार के भी कई रास्ते खुलेगें।

रविंद्र सिंह, सिड़कुल क्षेत्रीय प्रबंधक

फैक्ट्रियों के नाम –	रोजगार –	निवेश करोड़ में
राइट टाइट फास्टेनरर्स प्रा. लि.	454	350
सर्वा फार्मास्यूटिकल्स	125	15
सर्वा फार्मास्यूटिकल्स	70	8
एचडीएबी शाह इंडस्ट्रीज	19	3
आरकेटीई स्टील प्रोफाइल	20	1.5
जीमेक इंडसट्रीज एलएलपी	31	4.25
अडार पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि	50	6.5
सुदामा वुड पेनल प्रा. लि	115	22.53
एबिट कूलिंग सिस्टम	18	1
बालाजी एक्शन विल्डबेल प्रा.लि.	750	270
मैसर्स आरचिड पैनल इंडस्ट्रीज	230	92

चारधाम यात्रा की भव्य तैयारियों में जुटी सरकार

यात्रियों के भारी उत्साह: इस बार स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार प्रसाद और घोड़ा खच्चर संचालकों का कारोबार भी बढ़ने की उम्मीद

देहरादून। चारधाम यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए प्रदेश की धामी सरकार चारों धाम में पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं के भव्य स्वागत की तैयारियों में जुटी हुई है। प्रदेश में दो दिन बाद 10 मई को केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलते ही चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी, जबकि 12 मई को बदरीनाथ धाम खुलेंगे। देवभूमि में पौराणिक काल से संचालित चारधाम यात्रा अब राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गई है। यात्रा पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर से लाखों परिवारों की आजीविका टिकी है। प्रदेश सरकार ने सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित यात्रा की व्यापक तैयारियां की हैं। पिछले कुछ सालों से चारधाम यात्रा श्रद्धालुओं की संख्या में नया रिकॉर्ड बना रही है। वर्ष 2022 में 46 लाख से अधिक श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर पहुंचे, जबकि बीते वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 56 लाख से अधिक पहुंच गया। इयस वर्ष भी अब तक 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ऑनलाईन पंजीकण किया है। घोड़ा-खच्चर, डंडी कंडी, महिला सहायता समूहों, हेली सेवाओं, होटल रेस्टोरेंट, स्थानीय कारोबारियों को यात्रा से अच्छी आय हुई। यात्रा के शुरुआत में धामों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यात्रा के पहले 15 दिन वीआईपी दर्शन पर रोक लगाई गई है। यात्राकाल में चौलाई के प्रसाद की भारी मांग रहती है। केदारघाटी में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं प्रसाद तैयार करती हैं। इस वर्ष महिलाओं को एक करोड़ का प्रसाद बिकने की उम्मीद है। बीते वर्ष महिलाओं ने चौलाई से तैयार करीब 67 लाख रुपये के प्रसाद की बिक्री कर नया कीर्तिमान बनाया था। यही नहीं, इससे गांवों में चौलाई की खेती कर रहे काश्तकारों को भी लाभ मिला है। रुद्रप्रयाग जिले में ही 808 काश्तकारों से 753 क्विंटल चौलाई की खरीद महिलाओं ने की। यात्रियों के भारी उत्साह को देखते हुए इस बार घोड़ा- खच्चर संचालकों का कारोबार भी बढ़ने की उम्मीद है। वर्ष 2023 में 205 दिन तक चली केदारनाथ यात्रा में घोड़ा-खच्चर संचालकों ने 125 करोड़ रुपये का व्यवसाय किया था। इससे जिला पंचायत को भी तीन करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। गढ़वाल मंडल विकास निगम को संजीवनी देने का काम भी यात्रा ने किया है। पिछले यात्राकाल में निगम ने केदारनाथ यात्रियों के प्रवास के लिए धाम में टेंट लगाकर 50 करोड़ रुपये से अधिक कमाए हैं। यात्रा मार्ग पर स्थित निगम के पर्यटक आवास गृहों से भी अच्छा व्यवसाय मिला है। सरकार की ओर से भी स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की गई है। ब्लड प्रेशर, शुगर और हृदय रोग से पीड़ित लोग ज्यादा सावधानी बरतें। डॉक्टरी परामर्श के बाद ही यात्रा पर जाने का फैसला करें। चारधाम यात्रा में मौसम सबसे बड़ी चुनौती है। मौसम खराब होने पर यात्रा रोकनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना बड़ी चुनौती होता है। यात्रियों की संख्या बढ़ने से अब सरकार को व्यापक इंतजाम करने पड़े हैं। बारिश होने पर यात्रा रूट पर भूस्खलन जोन रोड़ा बनते हैं। यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ यात्रा मार्ग में सरकार और बीआरओ के प्रयासों के बावजूद कई भूस्खलन जोन मुसीबत बने हुए हैं। हालांकि, बारिश होने पर यहां सरकार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य को भेजती है। प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। पर्वतीय जिलों में कई स्थानों पर क्रैश बैरियर नहीं होने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। मार्गों के संकरा व घुमावदार होने से कई बार चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठते हैं। इसे देखते हुए क्रैश बैरियर लगाए जा रहे हैं।

तेजी से फल फूल रहा सूदखोरी का कारोबार

कालाढूंगी(उद संवाददाता)। सूदखोरी का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। सूदखोरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हल्द्वानी महानगर सहित कालाढूंगी में गली-गली में पांच से 10 प्रतिशत ब्याज पर पैसे देने वाले सक्रिय हैं।सूदधोरी का धंधा इस कदर फल फूल रहा है कि यह धीरे-धीरे कर्जदारों के गले का फंदा बनने लगा है। कर्ज के बोझ व सूदखोरों की प्रताड़ना से आजिज कर्जदार या तो पलायित हो रहे हैं या फिर आत्महत्या करने को विवश है। सूदखोरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि ब्याज पर दिए गए पैसे से दोगुना वसूलने के बाद भी अपने गुर्गों के जरिए लोगों पर दबाव डालकर अतिरक्त पैसे वसूल रहे हैं। कई पीड़ित दबाव में आकर आत्महत्या तक कर चुके हैं। अभी हाल ही में हल्द्वानी इसी तरह की घटना सामने आई हैं सूदखोर के दबाव में आकर एक व्यक्ति ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। हालांकि पूरे प्रदेश में पुलिस सूदखोरी के मामलों में लगातार कार्रवाई कर रही है। इसके बावजूद घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सूदखोरी का रैकेट बाजारों में भी घुस गया है। कारोबार के लिए व्यापारियों को कम ब्याज पर पैसे देकर चंगुल में फंसाने के बाद सूदखोर 10 से 20 प्रतिशत तक ब्याज वसूल रहे हैं। ब्याज पर पैसा लेने वालों को इस कदर परेशान किया जा रहा है कि कारोबारी घर से भागने को मजबूर हो रहे हैं। ऐसे कई केस पिछले कुछ सालों के भीतर सामने आ चुके हैं।

ग्रीष्मकालीन धान की खेती पर रोक लगाने के निर्देश

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने बताया कि जनपद के अधिकांश कृषकों के द्वारा खेती से अतिरिक्त आय प्राप्त करने हेतु ग्रीष्मकालीन धान की खेती को अपनाया जा रहा है, जो पर्यावरण के दृष्टिकोण से अत्यन्त हानिकारक है साथ ही ग्रीष्मकालीन धान की खेती करने से भूमि-गत जल का ह्रास भी तेजी से हो रहा है। उन्होने बताया कि भूमिगत जल का ह्रास होने से आगामी गर्मियों के महीनों में पेयजल की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है।जिलाधिकारी ने उपरोक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत रखते हुये जनपद के समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपनी-अपनी तहसील क्षेत्रान्तर्गत गर्मियों में धान की खेती को रोकने हेतु कृषकों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुये अपने कार्य क्षेत्र में भ्रमण करते हुये जनपद के समस्त कृषकों को ग्रीष्मकालीन धान की खेती न करने एवं विकल्प के रूप में मक्का, मूंग, उर्द व गन्ने की फसलों की खेती करने के लिये प्रेरित करें। जिससे आगामी वर्ष में ग्रीष्मकालीन धान की खेती को पूर्णतया प्रतिबन्धित करने की कार्यवाही की जा सकें।

हवन और भंडारे के साथ श्री राम कथा का समापन

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)।नगर के सनातन धर्म मंदिर में दस दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा का हवन व पूर्णाहुति के साथ मंगलवार को समापन हो गया। इस अवसर पर आयोजित भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। श्री राम कथा के अंतिम दिन सोमवार को लक्ष्मण दास जी महाराज ने श्री राम के राज्याभिषेक समेत विभिन्न प्रसंग सुनाए। कथा में श्री राम के राज्यभिषेक पर भव्य

झांकी सजाई गई तथा देर शाम दीपोत्सव मनाया गया। संगीतमय भजन पर श्रद्धालु भी खूब झूमे। कृष्ण कृपा मिशन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शक्तिफार्म के सनातन धर्म मंदिर में आयोजित दस दिवसीय श्री राम कथा में मंगलवार को हवन यज्ञ के उपरांत स्वामी लक्ष्मण दास ने पूर्ण आहुति देकर श्री राम कथा को विश्राम दिया। इस अवसर पर स्वामी चतुर्भुज, राजेश शास्त्री, महेंद्र अग्रवाल, जगदीश डालमिया,कृष्ण कुमार शर्मा, रविंद्र अग्रवाल, दिनेश तिवारी, जगदीश सिंह, विश्वजीत हालदार, ओम प्रकाश अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, संतोष डालमिया, बीना सिंह, माया जिंदल, रोली अग्रवाल आदि मौजूद थे।

लिटिल किंगडम स्कूल को सर्वश्रेष्ठ प्री स्कूल का अवार्ड

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।शहर के डी० डी० चौक स्थित लिटिल किंगडम प्रीप्रेट्री स्कूल को सर्वश्रेष्ठ प्री स्कूल के अवार्ड से नवाजा गया है। बता दें यह विद्यालय पिछले 23 वर्षों से वरिष्ठ प्रशासिका श्रीमती परविन्दर पुरी के नेतृत्व में छोटे छोटे बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। विद्यालय अपने क्रिया कलापों की वजह से रूद्रपुर में अपनी अलग पहचान बना चुका है। यहाँ के छात्र लगातार विद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में विद्यालय

समय-समय पर विभिन्न पुरस्कार प्राप्त करता रहा है। इसी श्रृंखला में विद्यालय ने एक और उपलब्धि हासिल की है। इण्डियन स्कूल अवार्ड के तत्वावधान में मुम्बई स्थित कोर्टयार्ड बॉय मैरियर होटल में आयोजित समारोह में विद्यालय को बेस्ट प्री स्कूल ऑफ द इयर अवार्ड से नवाजा गया। अवार्ड मिलने पर पूरे विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। पूरे उत्तराखण्ड में एकमात्र लिटिल किंगडम प्रीप्रेट्री स्कूल को ही यह अवार्ड लेने का अवसर प्राप्त हुआ। यह विद्यालय परिवार ही नहीं अपितु संपूर्ण उत्तराखण्ड के लिए गौरव का क्षण है। विद्यालय की प्रतिनिधि अनुषा सुभरामनियन ने समारोह में शामिल होकर कथित पुरस्कार को प्राप्त किया।

कूड़ा जलाने पर नगर निगम ने फर्म स्वामी का किया चालान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। खुले में कूड़ा जलाने पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद कूड़ा जलाने पर नगर निगम प्रशासन द्वारा एक फर्म स्वामी पर पांच हजार रुपए का चालान कर दिया गया। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा लगातार बढ़ रही वनाग्नि को देखते हुए सभी क्षेत्रों में खुले में कूड़ा जलाने पर प्रतिबंध

लगाया हुआ है। बावजूद उसके तीन पानी के पास कूड़ा जलाने की शिकायत प्राप्त होने पर नगर निगम की टीम द्वारा जनता टायर रिपेयरिंग शॉप के स्वामी द्वारा कूड़ा जलाने की पुष्टि होने पर कार्रवाई करते हुए संबंधित फर्म के स्वामी का 5 हजार रुपए का चालान किया गया। सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई ने बताया कि आदेश जारी करने के साथ- साथ लोगों से भी अपील की है कि लगातार बढ़ रही वन अग्नि की घटनाओं एवं पर्यावरण को होने वाली क्षति को देखते हुए खुले में किसी भी प्रकार का कूड़ा न जलाये एवं अपना सहयोग प्रदान करें।

दिल्ली पहुंचकर एमएनए नरेश दुर्गापाल का जाना हाल

रूद्रपुर। समाजसेवी संजय ठुकराल एवं उनकी माताजी श्रीमती दर्शना रनी ठुकराल ने दिल्ली पहुंचकर अस्पताल में भर्ती नगर निगम रूद्रपुर के मुख्य नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल के स्वास्थ्य का हाल जाना। बता दें बीते दिनों एमएनए नरेश

दुर्गापाल का अचानक स्वास्थ्य बिगड़ गया था। जिस पर उन्हें दिल्ली ले जाया गया जहां उनका उपचार चल रहा है। फिलहाल उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार है। समाजसेवी संजय ठुकराल ने अपनी माताजी के साथ दिल्ली पहुंचकर नरेश दुर्गापाल का हाल जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

नदियों में प्रदूषण रोकने को बनायें ठोस कार्ययोजना: डीएम

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में जिला गंगा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कल्याणी, बहल्ला, ढेला नदियों में हो रहे प्रदूषण को रोकने के लिये ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होने जल निगम के अभियंताओं को निर्देश दिये कि जनपद में बन रहे एसटीपी प्लान्ट का निर्माण सयमबद्धा से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने एसटीपी निर्माण से सम्बन्धित विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद में नदियों की विशेष परिस्थितियों के कारण बाढ़ प्रभावित एवं बाढ़ संभावित क्षेत्रों का डाटा संकलित करने निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने नगर आयुक्त तथा नगर पालिकाओं/नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिये कि नालियों को बरसात से पहले सफाई कराना सुनिश्चित करें

ताकि जल भराव की स्थिति न हो। उन्होने नगर निगम रूद्रपुर व अधिशासी अभियंता सिंचाई को निर्देश दिये कि कल्याणी नदी को टीम लगाकर 15 मई से 15 जून 2024 तक सफाई कराना सुनिश्चित करें। जिन क्षेत्रों में पुराना लीगेसी वेस्ट पड़ा हो, उन क्षेत्रों को चिन्हित किया जाये और पुराने कूड़े के निस्तारण की वर्तमान स्थिति के बारे में भी अवगत कराये साथ ही सीवेज जनरेशन तथा निस्तारण की स्थिति से भी अवगत कराया जाये। उन्होंने बायो मेडिकल वेस्ट, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले सोलिड एवं लिक्विड वेस्ट आदि के निस्तारण के लिये सम्बन्धित औद्योगिक इकाईयों को चिन्हित करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होने डीएफओ निर्देश दिये कि उप जिलाधिकारी, अधिशासी अभियंता सिचाई, जल निगम, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बार्ड, आरएम सिडकूल, सहायक नगर आयुक्त की संयुक्त कमेटी बनाये जो प्रदूषण करने वाले संस्थानों, शहरो आदि का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगें। उन्होने नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहर में कितने घर है व कितनी जनसंख्या है और कितना कूडाघ एकत्र हो रहा है उसकी पूरी डिटेल बनाकर प्रस्तुत करें ताकि पता चल सकें कि जनसंख्या के मानक के आधार पर कूड़ा एकत्र हो रहा है या नही। बैठक में डीएफओ उमेश चन्द्र तिवारी, सीएमओ डॉ0 मनोज शर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नरेश गोस्वामी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी लता बिष्ट, नामित सदस्य पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ0 आशुतोष पंत, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल सहित ईओ व सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

एनएच किनारे से अतिक्रमण हटाने की मांग

गदरपुर(उद संवाददाता)। ग्राम पंचायत झगड़पुरी के ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर मुख्य मार्ग के किनारे किए जा रहे अतिक्रमण को रोकने एवं हटाने की मांग करते हुए ज्ञापन दिया । ग्राम झगड़पुरी के प्रधान प्रतिनिधि शराफत अली मंसूरी के नेतृत्व में तहसील मुख्यालय पहुंचकर ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी गौरव पांडे को एक ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि राष्ट्रीय मार्ग 74 बायपास मोतियापुर के पास खतौनी संख्या 00184 पर किसानों के आवागमन के लिए रास्ता रखा गया है ,साथ ही बरसाती पानी के निकासी के लिए एक कोलाबा भी रखा गया है एक कॉलोनाइजर द्वारा उक्त क्षेत्र में भूमि खरीद कर रास्ता एवं कोलाबा बंद करके

अतिक्रमण किए जाने का प्रयास किया जा रहा है । ग्रामीणों का कहना था कि यदि रास्ता एवं कोलाबा बंद हो जाता है तो बरसात के दिनों में किसानों की कई सौ एकड़ कृषि भूमि वर्षा के पानी की चपेट में आकर फसल नष्ट होने की आशंका बनी हुई है उन्होंने अति शीघ्र उक्त स्थान को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की । इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल सिंह,दिलशाद, जावेद ,इरशाद हुसैन, मोहम्मद नबी, कुलवंत सिंह,अपार सिंह, झब्बू अहमद, मोहम्मद इलियास, लल्ला प्रधान ,शाहिद अल्वी,मोहम्मद परवेज, मोहम्मद जावेद, शमशाद अली, राशिद ,नासिर खान सहित तमाम ग्रामीण रहे ।

छात्राओं को कराया मेकअप स्टूडियो का भ्रमण

रूद्रपुर। समग्र शिक्षा के तहत, व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत, आदर्श राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पंतनगर में पढ़ाए जाने वाले विषय ब्यूटी एंड वैलनेस के अंतर्गत, कक्षा 12 की 45 छात्राओं ने व्यवसायिक कॉर्डिनेटर मोहन देव के निर्देशन में विद्यालय की व्यवसायिक प्रशिक्षिका श्रीमति कोमल नेगी के नेतृत्व में रुद्रपुर स्थित मोनालिसा मेकअप स्टूडियो एवं सैलून में औद्योगिक क्षेत्र भ्रमण कराया गया। जिसमें सैलून की संचालक मांसी ग्रोवर ने छात्राओं को सौंदर्य उद्योग के विश्व में बढ़ते हुए कैरियर के बारे में बताया और आज के इस युग में कैसे एक नारी को आत्मनिर्भर बनना चाहिए

यह भी समझाया। सभी छात्राएं भ्रमण कर बहुत ही प्रेरित व उत्साहित हुई। व्यवसायिक प्रशिक्षिका कोमल नेगी ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को उनके करियर से संबंधित जितनी भी शंकाए होती है, उन्हे दूर करना व जो भी व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत उन्हे प्रशिक्षण दिया जा रहा है, उससे कैसे वह भविष्य में खुद एक सफल उद्यमी बन सकते है।इस मौके परप्रधानाचार्य श्रीमति शाइस्ता जमाल अंसारी, श्री मति शालिनी शर्मा, श्रीमती मिताली श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

सनातन महाविद्यालय में बीए और बीकाम के लिए प्रवेश प्रारम्भ

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नये शैक्षिक सत्र के लिये बीए और बीकाम में आनलाईन प्रवेश प्रारम्भ हो गये हैं। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डा. सतविंदर कौर ने बताया कि पंजीकरण की अन्तिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है। सभी प्रवेश पंजीकरण समर्थ पोर्टल से ही किये जाने है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर अग्रेजी, हिंदी , अर्थ शास्त्र, समाज शास्त्र, सस्कृत, राजनीति शास्त्र, इतिहास, गृह विज्ञान विषय संचालित है।

अंतरराष्ट्रीय साहित्य एसोसिएशन ने किया कवि सम्मेलन का आयोजन

गदरपुर/जकार्ता(उद संवाददाता)। एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन (रजि.) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह एल.पी.जी. आई.एस.ए. का शतकीय 112 वां जी.जी. एम. (ग्लोबल गैदरिंग मीट) था, जिसका विषय था 'पंछी'। इस अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में दुनिया भर से जाने माने कवियों ने शिरकत की। छतबीड़ जू के निदेशक नीरज गुप्ता मुख्य अतिथि रहे।उन्होंने वन्य जीवन पर रखे एल.पी. जी.आई.एस.ए. के इस कार्यक्रम की प्रशंसा की और सभी को वन्य जीवों की रक्षा के लिए प्रेरित किया। छतबीड़ जू के शिक्षाधिकारी हरपाल सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने बायोडायवर्सिटी के

विषय में प्रेरणादायक वक्तव्य दिया। प्रसिद्ध कवि डॉ.विनोद शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने आशीष और योगिता के साहित्य के प्रति प्रेम और योगदान की प्रशंसा की और सभी कवियों को प्रोत्साहित किया।उन्होंने सभी कवियों की सराहना की और एल.पी.जी.आई.एस.ए को दुनिया भर के कवियों को एक सूत्र में बांधने के लिए सराहा।एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन (रजि.) के संस्थापक और ग्लोबल चेयरमैन आशीष शर्मा और संस्थापिका और ग्लोबल प्रेसिडेंट योगिता शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन भारत से कवयित्री अंजली सारस्वत शर्मा ने बड़े शानदार अंदाज में किया। विशेष वक्तव्य एल.पी.जी.आई.एस.ए के यू.के. के प्रेसिडेंट डॉ.कृष्ण कन्हैया और धन्यवाद प्रस्ताव ग्लोबल सर्टिफिकेट कोऑर्डिनेटर सुनीता महेंद्रू द्वारा प्रस्तुत किया गया। दुनिया भर से जाने-माने कवि और प्रतिष्ठित हस्तियाँ इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस गोष्ठी में नीरज गुप्ता,हरपाल सिंह, डॉ.विनोद शर्मा,अंजलि सारस्वत शर्मा,राज कुमार वर्मा,गीता मिश्रा,साहिल निगम (भारत), आशीष शर्मा,योगिता शर्मा, मीनाक्षी गांधी गुप्ता,वैशाली रस्तौगी,लीना शारदा,डॉ. सोनिया वशिष्ठ ओबेरॉय (इंडोनेशिया), अराधना सदाशिवम (सिंगापुर), उर्मिला मिश्रा,मंजुला ठाकुर, अंजना मजूमदार, (ऑस्ट्रेलिया), सुनीता महेंद्रू (थाइलैंड) ,डॉ.कृष्ण कुमार कन्हैया (यू.के.),शब्बीर मुनव्वर (यू.ए.ई.) ने अपने विचार रखे।

उत्तरांचल दर्पण

सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

आतंकी हमलों की घटानायें

घाटी में दहशतगर्दी पर काफी हद तक काबू पा लेने के सरकारी दावे के बरक्स हकीकत यह है कि पिछले कुछ सालों में वहां आतंकी हमले बढ़े हैं। पुंछ के शाहसितार इलाके में वायुसेना के वाहन पर हुआ हमला इसकी ताजा कड़ी है। शनिवार को घात लगा कर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें पांच सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में उनमें से एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। आतंकियों की तलाश जारी है। हेलिकाप्टर से भी उनकी टोह ली जा रही है। बताया जा रहा है कि ये आतंकी पाकिस्तान से आए थे। उनमें से दो आतंकियों के रेखाचित्र जारी कर उनके बारे में जानकारी देने वाले को बीस लाख रुपए इनाम की घोषणा भी कर दी गई है। सरकार लगातार कहती आ रही है कि घाटी में आतंकवादियों की गतिविधियों को समेट दिया गया है। अब वे एक सीमित क्षेत्र में सक्रिय रह गए हैं। उन्हें भी जल्दी खत्म कर दिया जाएगा। मगर हैरानी की बात है कि सरकार के इस दावे को धता बताते हुए आतंकी लगातार कभी लक्षित हिंसा करके ध्यान भटकाने, तो कभी सेना के काफिले पर घात लगा कर हमला करने में कैसे कामयाब हो जा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि आतंकी उन इलाकों में भी सक्रिय देखे जा रहे हैं, जहां वर्षों से लगभग शांति थी। पीर-पंजाल के इलाके में फिर से आतंकियों का सक्रिय हो जाना पाकिस्तान की तरफ से मिल रही गंभीर चुनौती की तरह है। ताजा हमला उसी इलाके में हुआ है। वह पाकिस्तान से सटा घने जंगलों और चट्टानों वाला दुर्गम इलाका है। भारतीय सेना ने बहुत पहले उस इलाके में पाकिस्तान पोषित आतंकी गतिविधियों पर विराम लगा दिया था। यह पिछले एक पखवाड़े में तीसरी आतंकी घटना है। इसके पहले आतंकियों ने दो स्थानीय नागरिकों की गोली मार कर हत्या कर दी थी। इसके पहले सेना और पुलिस ने कुछ तलाशी अभियानों में आतंकवादियों को मार गिराया था। ये हमले उन्हीं की प्रतिक्रिया में किए गए लगते हैं। मगर इन घटनाओं से यह भी जाहिर है कि सेना और सुरक्षाबलों को दहशतगर्दों की रणनीति समझने में चूक हो रही है। वे समय-समय पर अपनी रणनीति बदलते रहते हैं। कई बार वे लक्षित हिंसा का सहारा केवल इसलिए लेते हैं कि ध्यान भटकाया जा सके। फिर वे घात लगा कर सेना के काफिले पर हमला इस मकसद से करते हैं कि अधिक से अधिक नुकसान पहुंचा सके। बार-बार हो रहे ऐसे हमले गंभीर चिंता का विषय हैं। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और सेना की तैनाती बढ़ाने के बाद दावे किए गए थे कि जल्दी ही घाटी से दहशतगर्दी को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। अब जब आतंकवादियों को मिलने वाले वित्तीय, स्थानीय और हर तरह के सहयोग पर अंकुश लगाया जा चुका है, पहले की तुलना में खुफिया तंत्र अधिक सक्रिय है, तब भी अगर आतंकवादी न केवल सुरक्षाबलों को चकमा देने में कामयाब हो जा रहे हैं, बल्कि उनकी सक्रियता लगातार बनी हुई है, तो इस विषय में नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद तीन सौ सत्तर को खत्म हुए भी पांच वर्ष होने को आ रहे हैं। अभी तक वहां विधानसभा चुनाव कराने में अड़चनें दूर नहीं हो पा रहीं। अगर इन घटनाओं के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, तो उससे निपटने की रणनीति बनानी चाहिए।

एससी, एसटी और ओबीसी का भय वाजिब

आम चुनाव 2024 के तीन चरण संपन्न हो चुके हैं। शेष बचे चार चरणों के लिए चुनावी सरगर्मी तेज है इस बार के चुनाव में शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ, सड़क बिजली, पानी, महंगाई, रोजगार के साथ-साथ महिला सुरक्षा और दूसरा सामाजिक न्याय का मुद्दा चर्चा में है। महिला सुरक्षा व सामाजिक न्याय के मुद्दे पर जहां विपक्ष हावी है वहीं सत्तापक्ष कटघरे में है। यही कारण हैं की वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव जैसा माहौल इस बार कहीं किसी राज्य या लोकसभा क्षेत्र में नहीं दिख रहा। सामाजिक न्याय के नाम पर भाजपा सरकार के द्वारा देशभर में सरकारी नौकरियों और कॉलेजों में सवर्णों को (ईडब्ल्यूएस) दस प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया। जिसको लेकर एससी, एसटी और ओबीसी समाज के नेता अपने मामूली वोट बैंक के बाचाव में विरोध नहीं किये, लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी समाज के युवा इसका विरोध उसी समय से कर रहे हैं। एससी, एसटी व पिछड़े वर्ग के युवा ईडब्ल्यूएस कोटा को आरक्षण के सिद्धांत को खत्म करने के लिए बैकडोर एंट्री मानते हैं। जबकि रिजर्वेशन का उद्देश्य सामाजिक और शैक्षणिक तौर पर बैकवर्ड समुदाय को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना है। वहीं उत्तर प्रदेश के अधिकांश विश्व विद्यालयों में उच्च वर्ग के लोगों को कुलपति बनाये जाने का मामला उठ रहा है। एससी, एसटी और ओबीसी समाज के कुलपति नाम मात्र के हैं। यही कारण है कि समाजिक न्याय के मुद्दे पर बीजेपी सरकार एससी, एसटी और ओबीसी के लोगों को संतुष्ट करने में विफल रही है, हालांकि बीजेपी सरकार में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा जरूर दिया गया। लेकिन यह भी देखने आया कि इस सरकार ने अपने ही द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिए जाने के बाद इस संस्था की रिपोर्ट को मानने में आनाकानी करने लगी। ऐसे दो मामले केवल एक राज्य उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए हैं दोनों ही उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग से हैं। पहला मामला है 68500 शिक्षक भर्ती में नियमानुसार आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को मिलने वाली छूट न देना। और 69000 शिक्षक भर्ती में नियमानुसार ओबीसी दलित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र न दिया जाना। 69000 शिक्षक भर्ती वर्ष 2018 में आयोजित की गयी थी। 21 जून 2020 को 69000 अभ्यर्थियों की चयन सूची आई थी जिसको लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि आरक्षण लागू करने में विसंगति की गई है। जब विभाग ने मामले का संज्ञान नहीं लिया तो सभी चयन पाने से वंचित अभ्यर्थी अपनी शिकायत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग नई दिल्ली में दर्ज कराई। लगभग एक वर्ष हुई सुनवाई के बाद 29 अप्रैल 2021 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि पिछड़े वर्ग को नियमानुसार आरक्षण नहीं दिया गया है। आयोग की रिपोर्ट में बिन्दु संख्या 16 में साफ लिखा है कि उपरोक्त प्रकरण में ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कुल 18598 सीटो में से 5844 सीटें ऐसी है जो ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों को दी जानी थी, परन्तु जो जनरल श्रेणी के उम्मीदवारों को दी गई है और इस प्रकार ओबीसी उम्मीदवारों के अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। आयोग द्वारा प्रश्नगत मामले में विस्तृत जाँच की गयी, जिसमें बताया गया है की भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 व 16 आदि के उल्लंघन किये गए है। इस मामले को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने लंबे समय तक आंदोलन किया। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने यह स्वीकार तो कर लिया कि भर्ती में विसंगति हुई है लेकिन पीड़ित आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र नहीं दिया। उपरोक्त कारणों से एससी, एसटी और ओबीसी समाज के लोगों में संविधान समाप्त किया जाने अथवा आरक्षण खत्म किए जाने का भय बना हुआ है। वहीं महिला सुरक्षा को लेकर बीजेपी सरकार के तमाम दावे असफल दिखे क्योंकि एक के बाद एक घटनाएं सामने आती रहीं जिसको लेकर विपक्ष भाजपा को वर्तमान चुनाव में घेरने का पुरजोर प्रयास कर रहा है। वर्तमान बीजेपी सरकार में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार की कुछ घटनाएं ऐसी थी जो संपूर्ण देश को झकझोर देने वाली रही, चाहे वह हाथरस कांड हो, चाहे मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घूमाने का प्रकरण आदि ऐसी तमाम कई घटनाएं है जो डरावनी हैं। महिला पहलवान और बृजभूषण सिंह के विवाद से भी भाजपा की किरकिरी हुई। जनवरी 2023 में पहलवान विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया समेत करीब 30 पहलवानों ने भारतीय कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष के खिलाफ जंतर मंतर पर धरने पर बैठे थे पहलवानों ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर यौन शोषण समेत कई गंभीर आरोप लगाएं थे। यही कारण है कि भाजपा ने अंतिम समय में बृजभूषण सिंह का टिकट काटकर उनके छोट बेटे करण भूषण सिंह को दे दिया। जिसपर महिला पहलवान साक्षी मलिक ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी छोड़ो, आज उसके बेटे को टिकट देके आपने (भाजपा) देश की करोड़ों बेटियों का हौंसला तोड़ दिया है।

-अमर बहादुर

नहरें शो पीस होने से काश्तकारों को धान बुआई में हो रही दिक्कतें

गरुड़ (उद संवाददाता)। गरुड़ विकास खण्ड के किसानों के सामने धान बीज रखने के लिए खेतों तक नहरों द्वारा पानी नही पहुंचने से धान के बीच रोपण में समस्या हो रही है। खेतो के लिए बनाई गई सिचाई नहरों में पानी नही होना और बारिश का भी न होना किसानों के लिए समस्या बना है। धान बीज रखने का समय जा रहा है और नहर में पानी नही है। काश्तकार हंसी देवी द्वारा बताया कि नहरों में पानी नही होने से धान बीज नही रखा जा रहा है। जबकि काश्तकारों को अब बारिश होने का इंतजार है, वही सिचाई विभाग द्वारा बनी नहरों में जगह जगह नहरें टूटी होने और उनमें कूड़ा जमा होने से काश्तकार अपने खेतों में सिचाई भो नही कर पा रहे हैं। ऐसे मेंआने वाले दिनों में रोपाई के लिए धान बीज नही मिल पायेगा और लोगों के खेत बंजर हो जायेंगे। विशन सिंह बोरा द्वारा बताया की लाखो रुपए का बजट नहर में लगाया गया है लेकिन नहर में पानी नही है जिससे धान बीज नहि रख पा रहे है। रवि बोरा द्वारा बताया कि इक तरफ सरकार किसानों के हित की बात करती है दुसरी तरफ ये हाल है ऐसे में कैसे किसानों की आय दुगनी होगी। जीवन बोरा द्वारा बताया कि गाव में अधिकतर परिवार खेती, पशुपालन से अपनी आजिविका चलाते हैं। ऐसे में उनकी आजीविका कैसे बढ़ेगी बड़ा सोचनीय विषय है। विभाग को बार बार फोन करने के बाद भी कोई देखने नहि आ रहा है।

व्यापारी के कमरे में हुआ अजीबोगरीब धमाका, पत्नी झुलसी

बागेश्वर (उद संवाददाता)। नगर क्षेत्र के कठायतबाड़ा क्षेत्र में एक व्यापारी के कमरे में अजीबोगरीब तरीके से हुए धमाके में उनकी पत्नी गम्भीर रूप से झुलस गई जबकि कमरे में खिड़की और शीशों को भी नुकसान हो गया, जिसके बाद मकान मालिक सहित अन्य पड़ोसियों की मदद से झुलसी महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।वही अजीबोगरीब तरीके से हुए हादसे के बाद घटना के असल कारणों का पता नही चल पाया है,वही मकान मालिक दरवान सिंह अन्य लोगों के मुताबिक घटना में कोई गैस रिसाव या प्रेशर कुकर के फटने या अन्य किसी ज्वलनशील पदार्थ के फटने का कोई सुराग नही मिला है, घटना के असल कारणों का अभी पता नही चल पा रहा है, वही आसपास के लोग भी घटना कैसे हुई कमरे में ब्लास्ट होने के क्या कारण रहे इसको लेकर सवाल करते सुनाई दिए। मामले की सूचना पाते ही कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुची, वही रहस्यमयी तरीके से किस कारण कमरे में विस्पोट हुआ इसके कारण क्या थे इसको लेकर पुलिस टीम जांच में जुट गई है, अलबत्ता जांच करने पहुंचे वरिष्ठ उपनिरीक्षक संजय बृजवाल ने घटना के कारणों की गहनता से जांच की, जांच के दौरान किचन के कमरे में रखे ज्वलनशील पदार्थ, गैस, विद्युत सामग्री, प्रेशर कुकर ठीक अवस्था में मिले।वही धमाके के बाद खिड़की के शीशे, खिड़की में लगी ग्रिल सहित कमरे के पास बने शोपीस अलमारी के दरवाजे भी टूट गए, पुलिस से प्राप्त जानकारी के आधार पर कठायतबाड़ा निवासी दरवान सिंह हरड़िया के मकान में किराए में रहने वाले व्यापारी पंकज भट्ट अपने परिवार के साथ रहतेथे, जहाँ दोपहर में अचानक उनकी पत्नी महिमा भट्ट खाना बना रही थी तभी अचानक एक रहस्यमयी घटना से कमरे में अचानक तेज विस्पोट हुआ। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गई,जहाँ घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, अस्पताल में इलाज के बाद जनरल सर्जन डॉ राजीव उपाध्याय ने घायल महिला के प्राथमिक इलाज के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया, बताया जा रहा है कि हादसे में महिला50 फीसदी झुलस गई है। बताया जा रहा है कि कठायतबाड़ा में दुकान चलाने वाले पंकज भट्ट की दो दिन पूर्व जंगल की आग के फैलने से केंटर में लदा दुकान का समान आग लगने से स्वाहा हो गया था।

लापता हुए फौजी को पुलिस ने सकुशल किया बरामद

कपकोट (उद संवाददाता)। कपकोट निवासी कुमाऊ रेजीमेंट के फौजी जवान छुट्टी खत्म होने के बाद अपनी यूनिट को वापस लौट रहे थे, तभी वह अचानक 30 अप्रैल को हल्द्वानी पहुंचने के बाद लापता हो गए थे, लगातार परिजनों द्वारा उनके मोबाइल पर सम्पर्क करने के बाद कोई भी उत्तर नही मिल रहा था, जिसके बाद उनका मोबाइल भी स्वीच ऑफ हो गया था, जिससे परिजन परेशान हो गए थे। पत्नी से उनका कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस में पति की गुमशुदगी दर्ज कराई। कपकोट तहसील में 1 गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस द्वारा अलग अलग स्थानों पर सुरागपता रसी करते हुए हल्द्वानी से लापता हुए 42 वर्षीय सैनिक रणजीत सिंह पुत्र गोविंद सिंह को सकुशल बरामद किया जहां लापता हुए फौजी को कपकोट पुलिस द्वारा परिजनों के सुपुर्द किया गया। वह वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के रौजौरी 12 कुमाऊं रेजिमेंट में कार्यरत हैं। वही परिवारजनों ने फौजी सैनिक के सकुशल बरामद होने पर मित्र पुलिस और पुलिस अधीक्षक का आभार जताया।

नंदनकानन चिड़ियाघर से उत्तराखंड आएगा सफेद बाघ

देहरादून। उड़ीसा के नंदनकानन चिड़ियाघर से दुर्लभ नस्ल के सफेद बाघ को उत्तराखंड लाने की तैयारी है। उड़ीसा सरकार ने राज्य सरकार के इस प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। अब प्रदेश सरकार केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की मंजूरी के बाद सफेद बाघ को उत्तराखंड लाएगी। सफेद बाघ को देहरादून के चिड़ियाघर में प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक डॉ. समीर सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। डॉ. सिन्हा के मुताबिक, उड़ीसा सरकार से देहरादून चिड़ियाघर में प्रदर्शन के लिए सफेद बाघ उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। इस प्रस्ताव पर उड़ीसा के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक ने अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।बताया, दुर्लभ सफेद बाघ के बदले में चार तेंदुए नंदनकानन चिड़ियाघर भेजे जाएंगे। दोनों राज्यों के बीच सहमति बनने के बाद अब केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस संबंध में देहरादून के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) को नंदनकानन चिड़ियाघर के उपनिदेशक के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। सफेद बाघ को उत्तराखंड लाने और बदले में चार तेंदुओं को भेजने के लिए वन विभाग के अधिकारियों की एक टीम जल्द ही उड़ीसा जाएगी। टीम नंदनकानन चिड़ियाघर के अधिकारियों से सफेद बाघ को लाने से संबंधित प्रक्रिया के बारे में चर्चा करेगी। राजस्थान के वन महकमे ने उत्तराखंड से चार टाइगर मांगें हैं। इन्हें राजस्थान के वन्य अभयारण्यों में रखा जाएगा। प्रदेश सरकार ने इस प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति दे दी है। सफेद बाघ विलुप्त प्राय: वन्यजीव प्रजाति में शामिल है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनियाभर में सिर्फ 200 सफेद बाघ हैं। इनमें से करीब 100 बाघ भारत में हैं। भारतीय नस्ल के सफेद बाघ को लेकर एक दिलचस्प कहानी है जो मध्यप्रदेश रीवा के महाराज मार्तंड सिंह और जोधपुर के राजा अजीत सिंह के साथ शिकार खेलने से जुड़ी है। कहा जाता है कि शिकार के दौरान एक गुफा में बाघिन के साथ तीन शावक दिखे, जिनमें से दो को मार डाला गया और तीसरा जो देखने में बेहद अनोखा था, उसे पकड़कर गोविंदगढ़ के किले में लाया गया। इसका नाम मोहन रखा गया। सफेद बाघों को इसी मोहन की संतानें माना जाता है।

ट्रैक्टर से कुचलकर छात्र की मौत

रूड़की। रुड़की के लक्सर में ट्रैक्टर के नीचे आने से एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने छात्र को अस्पताल भिजवाया लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। छात्र की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के केहड़ा गांव निवासी ऋतिक (18) 11वीं में पढ़ रहा था। सोमवार दोपहर वह अपने साथी बंटी, सौरभ व गौरव के साथ ट्रैक्टर से जैतपुर गांव से घर लौट रहा था। जैसे ही वह जैतपुर व केहड़ा गांव के बीच पहुंचे तो ट्रैक्टर के पीछे जुड़ी ट्रॉली का गुल्ला निकल गया और ट्रैक्टर को तेज झटका लगा। ट्रैक्टर में झटका लगने से ऋतिक नीचे गिर गया और ट्रैक्टर उसके ऊपर चढ़ गया। साथियों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल भिजवाया लेकिन उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। परिवारवालों ने गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार किया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। ऋतिक के पिता संदीप ने बताया कि वह घर से कुछ देर बाद आने की बात कहकर निकला था। उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि ऋतिक का शव घर आएगा। वहीं, भाई की मौत से बहन दीपांशी का रो-रोकर बुरा हाल है।

फिल्मों की शूटिंग से उत्तराखंड बनेगा डेस्टिनेशन हब : राज्यपाल

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय फिल्मों को प्रमोट करने में अनुपम शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान

देहरादून (उद संवाददाता)। मंगलवार को राजभवन ऑडिटोरियम में अनुपम शर्मा द्वारा ऑस्ट्रेलिया में भारतीय फिल्मों के सफर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री "ब्रैन्ड बॉलीवुड डाउन अन्डर" की स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय फिल्मों को प्रमोट करने में अनुपम शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन्होंने 'अनइंडियन' ऑस्ट्रेलियाई फीचर फिल्म बनाई, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली ने अभिनय किया है। वे देहरादून के रहने वाले प्रसिद्ध सिंगर बॉबी कैश पर भी एक फिल्म बना रहे हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने अनुपम शर्मा को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध अभिनेता एवं हम लोग सीरियल में मशहूर नन्हे का किरदार निभाने वाले अभिनव चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह(से नि) ने कहा कि राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीयता का भाव, संस्कृति एवं परंपराओं के संवर्धन, सामाजिक सौहार्द और सामाजिक परिवर्तन लाने में फिल्में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारी फिल्में और हमारे अभिनेता अपने देश में ही नहीं बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, चीन और रूस सहित कई देशों में भी लोकप्रिय हैं। इन्हें विश्व स्तर पर लाखों लोग देखते हैं जिससे भारतीय संस्कृति, मूल्यों और जीवन शैली का भी प्रचार-प्रसार होता है। राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक सीमाओं से परे विश्व स्तर पर भारतीय सिनेमा ने अपना एक अलग स्थान बनाया है। इसके अलावा विश्व स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि विकसित करने, भारतीय पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देना और राज्य में फिल्म उद्योग के माध्यम से अधिकाधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न कराना हमारी प्राथमिकता में है। यह गर्व की बात है कि उत्तराखंड की बहुत सारी हस्तियाँ देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में अभिनव का काम करते हुए उत्तराखंड का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिल्मों की शूटिंग के लिए उत्तराखंड एक अनूकूल जगह है। बड़े पर्दे पर उत्तराखंड की वादियों की सुंदरता दर्शकों को अलग अनुभव देती है। निश्चित तौर पर उत्तराखंड फिल्म शूटिंग के लिए बहुत जल्द दुनिया का पसंदीदा डेस्टिनेशन बन जाएगा। इस अवसर पर उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क विभाग बंशीधर तिवारी ने उत्तराखण्ड फिल्म नीति की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि नई फिल्म पॉलिसी से जल्द ही उत्तराखण्ड शूटिंग हब बन जाएगा। श्री तिवारी ने बताया कि नई फिल्म पॉलिसी के निर्माण में विशेषज्ञों के सुझावों को शामिल किया गया है जिसके कारण फिल्म निर्माताओं को सुगमता होगी। उन्होंने बताया कि फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उत्तराखण्ड एक डेस्टिनेशन हब के रूप में विकसित हो रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं फिल्म अभिनेता सतीश शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी डॉ. नितिन उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार उपेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ लेखक कुलभूषण कैन एवं आलोक जोशी, अभिनेता आलोक उल्फत सहित विभिन्न स्कूल के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा के अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी आज से परीक्षा सुधार को लेकर कर सकते है आवेदन

रामनगर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद बोर्ड की सुधार परीक्षा के लिए अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी 8 में से 24 मई तक आवेदन कर सकते हैं। हाई स्कूल में दो विषयों में तथा इंटरमीडिएट में एक विषय में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी कर सकते हैं। उत्तराखंड विद्यालई शिक्षा परिषद बोर्ड का परीक्षा परिणाम 30 अप्रैल 2024को घोषित हुआ था, जिसमें हाई स्कूल की बात करें जिसमें हाई स्कूल में 115666 बच्चों ने पंजीकरण किया था, जिसमें से 3289 बच्चे परीक्षा में अनुपस्थित थे ,वहीं 112377 परीक्षार्थीयों ने परीक्षा दी थी,जिसमे में 100179 परीक्षार्थी उत्तीण हुए थे,जबकि 12179 अनुउत्तीर्ण थे। वहीं इंटरमीडिएट की बात करें तो इंटरमीडिएट में 94255 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण किया था,जिसमें से 2235 परीक्षार्थी परीक्षा के दिन अनुपस्थित थे, वहीं 92020 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित थे, बता दें कि इंटरमीडिएट में 76039 परीक्षार्थियों ने परीक्षा पास की, जिसमें 12वीं का परीक्षा परिणाम 82.63 प्रतिशत रहा। जबकि12वीं में 15977 परीक्षार्थी अनुउत्तीर्ण हो गए। इन परीक्षार्थियों के लिए उत्तराखंड बोर्ड पुनः परीक्षा कराने जा रहा है, जिसको लेकर आज से अनुउत्तीर्ण परीक्षार्थी ऑनलाइन व ऑफ लाइन 8मई से 24 मई तक फार्म जमा कर सकते हैं। परीक्षार्थी आवेदन विद्यालय परिषद कार्यालय की वेबसाइटhttp://abse. uk.gov.in पर जाकर सभी नियमों का पालन करते हुए ऑनलाइन आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे अध्ययन कर भर सकते हैं ,बता दें कि दसवीं में दो सब्जेक्ट में फेल हुए और 12वीं में एक सब्जेक्ट में फेल हुए परीक्षा आज से आवेदन कर सकते हैं। वही जानकारी देते हुए उत्तराखंड विद्यालई शिक्षा परिषद बोर्ड के सचिव विनोद कुमार सीमल्टी ने बताया कि सभी अभ्यर्थी आज से 8 से 24 मई तक अपना फॉर्म भर सकते हैं ,उन्होंने बताया कि परीक्षार्थी परीक्षा सुधार परीक्षाएं जुलाई माह में करवाई जाएगी।

डॉ.जफर सैफी को राष्ट्रीय होम्योपैथी सेवा रत्न पुरूस्कार

रामनगर (उद संवाददाता)। रामनगर के चिकित्सक डॉ. जफर सैफी को राष्ट्रीय होम्योपैथी सेवा रत्न पुरूस्कार से विभूषित किये जाने पर शहर व सूबे का मान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। विगत दिवस ग्रेटर नोएडा स्थित बेक्सन होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सभागार मे अखिल भारतीय चिकित्सक एसोसिएशन व सह आयोजक द पोजिटिव होम्योपैथी, जग्सन होम्योपैथी व क्लीनिक आर्ट के सयुंक्त तत्वाधान मे आयोजित कार्यक्रम मे डॉ. जफर सैफी को उनके द्वारा कोरोनाकाल, चिकित्सा व मानवता के क्षेत्र मे किये जा रहे उत्कृष्ठ कार्यो के लिये बेक्सन होम्योपैथी के डायरेक्टर व डॉ.एसपीएस बख्शी के द्वारा होम्योपैथी चिकित्सा जगत के तहत देश के सर्वश्रेष्ठ पुरूस्कारों मे शुमार किये जाने वाले राष्ट्रीय होम्योपैथी सेवा रत्न अवार्ड के तहत स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस आवार्ड को पाकर श्री सैफी ने कहा कि उनके द्वारा होम्योपैथी चिकित्सा के माध्यम से जटिल से जटिल बीमारियों का इलाज कई रोगियों का किया जा चुका है उन्होंने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा में सभी बीमारियों का इलाज संभव है लेकिन मरीज को कुछ सावधानी बरतने के साथ ही खानपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है आयोजको व अपने माता-पिता, परिजनो, शुभचितंको -रोगियो के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सेवा के तहत उनका यह कार्य आगे भी जारी रहेगा।

नानकमत्ता गुरूद्वारा साहिब में अमावस्या पर उमड़ी संगत

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में अमावस्या पर्व पर हजारों की संगत ने पहुंचकर गुरू घर में शीश नवाकर मत्था टेका। गुरूद्वारा के प्रधान जोगेन्द्र सिंह संधु ने भी गुरूद्वारा साहिब पहुंचकर व्यवस्थाओं को जायजा लेकर गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेका। इस दौरान मेंले में लगी दुकानों पर खासी भीड़ रही। गुरूद्वारा साहिब में हर माह लगने वाले अमावस्या पर आज हजारों की तादात में संगत गुरूद्वारा साहिब पहुंची जहां संगत ने गुरूद्वारा साहिब में शीश नवाकर मत्था टेका। इस दौरान गुरूद्वारा रागी, ढाढ़ी जत्थों ने गुरू की महिमा का बखान कर संगत को गुरू के मार्ग पर चलने का उपदेश दिया। ढाढ़ी जत्थे में भाई सुरिन्द्र सिंह पारस, भाई साध सिंह कविसर, भाई सुखचेन सिंह बहेड़ी प्रचारक भाई सुखविन्द्र सिंह शामिल थे, जबकि मंच का संचालन भाई जरनैल सिंह लहरी द्वारा किया गया। गुरूद्वारा साहिब में लगी दुकानों में खासी भीड़ देखी गई। पूर्णागिरी से मत्था टेककर श्रद्धालु भारी संख्या में गुरूद्वारा मत्था टेकने पहुंचे थे। संगत के लिए गुरूद्वारें में गुरू का लंगर अटूट बरता जा रहा था। गुरूद्वारें के प्रधान जोगेन्द्र सिंह संधू ने गुरूद्वारा साहिब पहुंचकर प्रबंधक सुखवंत सिंह भुल्लर से अमावस्या में श्रद्धालुओं को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी लेकर श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके निर्देश दिए। इस मौके पर गुरूद्वारा कमेटी के महासचिव स0 अमरजीत सिंह हरभजन सिंह सचिव, डायरेक्टर गुरवंत सिंह , डायरेक्टर गुरूदयाल सिंह, अजीत पाल सिंह, रंजीत सिंह राणा आदि मौजूद थे।

कुमांऊ विवि के वानिकी एवं पर्यावरण विभाग को ए प्लस कैटेगरी

नैनीताल(उद संवाददाता)।कुमाऊं विश्वविद्यालय के वानिकी एवं पर्यावरण विभाग को इंडियन काउंसिल फॉर फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन द्वारा ए प्लस कैटेगरी प्रदान की गई है ।आईसीएफआरई द्वारा दिसंबर माह में विभाग का निरीक्षण तथा मूल्यांकन किया गया है ।विभागाध्यक्ष प्रो. जीत राम ने इसका प्रमाण पत्र कुलपति प्रो दीवान एस रावत को सौंपा।इस अवसर पर कुलपति प्रो रावत ने विभाग के कार्यों की प्रसंसा की तथा कहा कि वानिकी विभाग बेहतर कार्य एवं शोध कर रहा है। वानिकी विभाग 1978 से प्रारंभ हुआ तथा शोध एवं उत्तराखंड के जंगल के अध्यन के लिए जाना जाता है ।प्रो जीत राम ने कहा कि प्रो एलएस लोधियाल ,प्रो आशीष तिवारी ,डॉक्टर नीता आर्य , डॉक्टर बिजेंद्र लाल ,डॉक्टर नंदन बिष्ट ,डॉक्टर कुबेर गिनती ,डॉक्टर ईरा तिवारी ,डॉक्टर मैत्री नारायण सहित विभाग के कर्मचारियों एवं शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के मेहनत का ये सुखद परिणाम है। आईसीएफआरइ हर पांच साल में संबंधित विभागों का पैनल करता है ।कूटा अध्यक्ष प्रो ललित तिवारी एवम महासचिव डॉक्टर विजय कुमार ने वानिकी विभाग की मेहनत पर उन्हें बधाई एवं मुबारकबाद दी है ।

पेज एक का शेष...

बहन की हत्या के बाद...अंदाजा लगाया जा रहा है कि भाई ने पहले बहन कीगला दबाकर हत्या की और उसके बाद खुद फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मकान स्वामी व बहनोई से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्या और आत्महत्या की वजह की तफ्तीश शुरू कर दी है।

सर्व इंडिया कालेज में मनाया रेडक्रॉस दिवस

गदरपुर (उद संवाददाता)।सर्व इंडिया इंटर कॉलेज रोशनपुर में विश्व रेडक्रॉस दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य अनिल द्विवेदी ने छात्रों को बताया कि रेड क्रॉस दिवस का मुख्य उद्देश्य असहाय ,घायल सैनिकों व नागरिकों की रक्षा करना है यह हमें संकट के समय में मानवता, करुणा

और एकजुटता के महत्व की याद दिलाता है। वरिष्ठ प्रवक्ता अंजली जगाती शाह ने रेडक्रॉस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। आयोजक सचिव डॉ० संदीप कुमार पांडे ने अपने संबोधन में छात्रों को बताया कि यह दिवस उन लोगों को समर्पित है जो भोजन की कमी, प्राकृतिक आपदाओं, युद्ध ,महामारी संबंधी बीमारियों से पीड़ित हैं। यह दिन रेडक्रॉस और रेड क्रिसेंट मोमेंट के मानवीय मूल्यों को उजागर करने के अवसर के रूप में भी कार्य करता है! आज के दिन उन लोगों को बुनियादी सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं जो वास्तव में जरूरतमंद है। इस दौरान छात्र- छात्राओं के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षक निर्मला रानी, राजेंद्र प्रसाद, देव सिंह ,शिव शंकर गौतम, महेश सिंह, अमित सिंह, शीबा परवीन एवं उमाशंकर द्विवेदी उपस्थित थे।

जान से मारने की धमकी देने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

कांडा(उद संवाददाता)। कांडा पुलिस ने महिला के साथ गाली-गलौज, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। न्यायालय के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई होगी। दो मई को पीड़िता ने कांडा थाने में एक तहरीर सौंपी। जिसमें उसने कहा कि एक मई को देवेंद्र कुमार पुत्र स्व. दीवान राम निवासी ग्राम-दाणोथल ने उनके घर में घुसकर मेरे साथ छेड़खानी, मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर थानाध्यक्ष खुशवंत सिंह ने आईपीसी की धारा 452/354/323/504 के तहत मुकदमा दर्ज किया। मामले की जांच एसआई खष्टी बिष्ट को सौंपी गई। पुलिस अधीक्षक ने मामले का संज्ञान लिया और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। आरोपी को सोमवार की शाम गिरफ्तार किया गया। मामले में आईपीसी की धारा 354 (क)/506 की बढ़ोत्तरी की। अब आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। न्यायालय के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

इस बार मेयर पदों के आरक्षण में होगा बदलाव

निकाय चुनाव की सरगर्मी तेज: पहली बार 30 प्रतिशत तक ओबीसी आरक्षण लागू होने के बाद 33 प्रतिशत सीटें रोस्टरवार महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, नगर पंचायत अध्यक्ष पदों पर मलेगा 38.97 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में नगर निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अधर में लटके चुनाव के लिए राज्य सरकार ने कसरत तेज कर दी है। राज्य के नगर निगमों में इस बार मेयर पद के आरक्षण में बदलाव होगा। कहीं महिला सीट पुरुषों के पास जाएगी, तो कहीं पुरुष सीट इस बार महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएगी। सूबे में पहली बार 30 प्रतिशत तक ओबीसी आरक्षण लागू होने के बाद 33 प्रतिशत सीटें रोस्टरवार महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। उत्तराखंड के निकाय चुनाव में इस बार नगर पंचायतों में ओबीसी का आरक्षण अध्यक्ष पद पर सबसे अधिक होगा। ओबीसी आरक्षण के लिए गठित एकल सदस्यीय समर्पित आयोग ने नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद पर सर्वाधिक 38.97 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की है। वहीं, नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद पर 28.10 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की है। 2018 के चुनाव में सभी नगर पंचायतों, नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद के लिए ओबीसी को 14 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। लेकिन इस बार यह आरक्षण बढ़ने वाला है। एकल सदस्यीय समर्पित आयोग ने इसके लिए सभी निकायों में ओबीसी सर्वेक्षण कराया। नगर पालिकाओं में कुल 41 सीटें हैं, जिनकी आबादी 10 लाख 69 हजार 551 है। इनमें जनरल आबादी 6 लाख दो हजार 361 (56.32 प्रतिशत), अनुसूचित जाति की आबादी एक लाख 47 हजार 164 (13.76 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति की आबादी 19 हजार 503 (1.82 प्रतिशत) और ओबीसी की आबादी तीन लाख 523 (28.10 प्रतिशत) है। इस हिसाब से 41 में से जनरल के लिए 22, एससी के लिए छह, एसटी के लिए एक और ओबीसी के लिए 12 सीटें आरक्षित करने की सिफारिश की गई है। 45 नगर पंचायतों में ओबीसी सर्वे हुआ है, जिसमें कुल तीन लाख 91 हजार 146 आबादी मानी गई है। इसमें जनरल की आबादी एक लाख 79 हजार 985 (46.01 प्रतिशत), अनुसूचित जाति की आबादी 55 हजार 498 (14.19 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति की आबादी तीन हजार 246 (0.83 प्रतिशत) और ओबीसी की आबादी एक लाख 52 हजार 417 (38.97 प्रतिशत) है। इस हिसाब से नगर पंचायतों में चेयरमैन पद पर जनरल की 23, एससी की छह, ओबीसी की 16 सीट आरक्षित करने की सिफारिश की गई है। नौ नगर निगमों में पार्षद के 460 पद हैं। आबादी के हिसाब से इनमें जनरल की 317, एससी की 60, एसटी की एक और ओबीसी की 82 सीटें आरक्षित रखने की सिफारिश की गई है। ओबीसी को सबसे ज्यादा काशीपुर नगर निगम में 38.62 प्रतिशत आरक्षण, रुड़की में 36.20 प्रतिशत, हरिद्वार में 20.90 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। वहीं, श्रीनगर नगर निगम में ओबीसी की हिस्सेदारी महज 5.51 प्रतिशत के हिसाब से सबसे कम होगी। नगर पालिकाओं में सभासद के 471 में से एससी को 67, एसटी को आठ, जनरल को 294 और ओबीसी को 102 पद देने की सिफारिश की गई है। नगर पंचायतों में सभासदों के लिए 302 में से एससी को 42, एसटी को दो, जनरल को 204 और ओबीसी को 54 पद देने की सिफारिश की गई है।

देहरादून, हल्द्वानी और रूद्रपुर सीट में हो सकता है बदलाव

देहरादून। उत्तराखंड में नगर निकाय के चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। एक सदस्यीय आयोग की आरक्षण सर्वेक्षण रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार चुनाव की तैयारियों को लेकर सक्रिय हो गई है। बताया जा रहा है कि नौ नगर निगम में से तीन सीटों पर आरक्षण में बदलाव हो सकता है जबकि इस बार अधिक्तम तीन सीटों पर महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती है। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में सात नगर निगमों का चुनाव हुआ था। इनमें से देहरादून और हल्द्वानी नगर निगम में मेयर का पद अनारक्षित था। ऋषिकेश, हरिद्वार व कोटद्वार नगर निगम में मेयर का पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया था। काशीपुर में ओबीसी और रुद्रपुर में अनुसूचित जाति के लिए मेयर का पद आरक्षित था। इस बार नगर निगम देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, कोटद्वार, काशीपुर, श्रीनगर, रुद्रपुर, हल्द्वानी का चुनाव होने जा रहा है। नगर निगम देहरादून में पिछले तीन चुनाव से सीट अनारक्षित रही है। हल्द्वानी में भी अनारक्षित सीट चल रही है। लिहाजा यहां बदलाव के आसार हैं। राज्य के निकायों में पहली बार ओबीसी का आरक्षण लागू होगा। 14 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत तक आरक्षण की सिफारिश को लागू करने के लिए सरकार को एक्ट में संशोधन करना है। एकल सदस्यीय समर्पित आयोग ने सरकार को जो रिपोर्ट सौंपी थी, उसमें नौ नगर निगमों में कुल 21,50,227 की आबादी बताई गई है। इनमें से अनुसूचित जाति की 2,69,364 आबादी के हिसाब से एससी की एक सीट 3,88,135 आबादी के हिसाब से ओबीसी की दो सीटें और 14,80,532 आबादी के हिसाब से जनरल की छह मेयर सीटें रखने की सिफारिश की गई है। इन सभी नौ सीटों पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण भी लागू होगा, जिसके तहत इस बार दो या तीन सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं।

बेरोजगारी पर 'धामी सरकार' का 'एक और प्रहार'

सरकार ने बेसिक शिक्षकों की भर्ती के लिए बीएड की बाध्यता की खत्म, उत्तराखंड में 3600 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ, राज्य में अब डीएलएड डिग्री धारक बन सकेंगे प्राथमिक शिक्षक, शिक्षा मंत्री ने बेसिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के दिए निर्देश

-अर्श-

देहरादून। अपने दूसरे कार्यकाल में बेरोजगारी उन्मूलन की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही सूबे की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने प्रदेश में विद्यमान बेरोजगारी की समस्या पर एक और करारा प्रहार किया है ।बताना होगा कि उत्तराखंड सरकार ने प्राथमिक शिक्षकों की सेवा नियमावली में संशोधन करते हुए बेसिक शिक्षकों की भर्ती के लिए बीएड की बाध्यता समाप्त करके दो वर्षीय डीएलएड पाठ्यक्रम को मंजूरी प्रदान कर दी है। राज्य सरकार के इस फैसले के बाद अब उत्तराखंड में लगभग 3600 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। सरकार के इस निर्णय के बाद प्रदेश के शिक्षा मंत्री डा। धन सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को बेसिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश भी दे दिए हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ अरसा पहले राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने एक अधिसूचना के माध्यम से सभी प्राथमिक शिक्षकों के लिए बीएड की योग्यता को अनिवार्य बना दिया था ।एनसीटीई की इस अधिसूचना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी तथा वर्ष 2018 में उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद कि इस अधिसूचना को निरस्त कर दिया था और डीएलएड डिग्री धारकों को इस विषय पर सरकार के किसी निर्णय का लंबे समय से इंतजार था । लंबा इंतजार कराने के बाद अब डीएलएड धारकों को सरकार ने खुशखबरी दे दी है। सरकार के इस फैसले के बाद अब राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। अपने इस फैसले के द्वारा राज्य सरकार ने प्राथमिक शिक्षकों की सेवा नियमावली में संशोधन किया है, जिसमें शिक्षकों की भर्ती के लिए बीएड की बाध्यता समाप्त कर दिया गया है और दो वर्षीय डीएलएड को मंजूरी प्रदान की गई है ।सरकार के इस फैसले की जानकारी देने के लिए राज्य के शिक्षा मंत्री दो धन सिंह रावत बीते रोज राजधानी में मीडिया से मुखातिब हुए। शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के वर्ष 2018 में जारी उस अधिसूचना को निरस्त कर दिया था, जिसमें प्राथमिक शिक्षकों के लिये बीएड डिग्री की अनिवार्यता लागू की गई थी। उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय के अनुपालन में राज्य कैबिनेट ने हाल ही में राजकीय प्रारम्भिक शिक्षा (अध्यापक) सेवा नियमावली, 2012 में संशोधन को अपनी स्वीकृति प्रदान की थी । जिसके बाद शासन ने उत्तराखंड राजकीय प्रारम्भिक शिक्षा (अध्यापक) (संशोधन) सेवा नियमावली, 2024 जारी कर दी है। सरकार ने इस संशोधन के जरिए बेसिक शिक्षकों के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यता बीएड डिग्री को अमान्य कर दिया है । नियमावली के इस संशोधन के बाद अब राज्य में केवल डीएलएड डिग्री धारक ही पहली से पांचवीं कक्षा तक के बेसिक शिक्षक के पद के लिए पात्र होंगे ।विभागीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश में बेसिक शिक्षकों के लिए नई नियमावली के लागू होने से लगभग 3600 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। राज्य शिक्षा मंत्री के अनुसार भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है और निर्वाचन आयोग से भर्ती की अनुमति प्राप्त करने के बाद शीघ्र ही उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को रिक्त पदों के अनुसार अधियाचन भेजा जाएगा।